जनहित सर्वोपरि, राजस्व कार्यों में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त : मिश्रा

राजस्व व्यवस्था में सुधार का रोडमैप तैयार, कलेक्टर ने ली समीक्षा बैठक, अभिलेखों में अमल सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश

नवभारत न्यूज

सीधी 30 मार्च। राजस्व अमला फील्ड स्तर पर व्याप्त नकारात्मकता को समाप्त कर सकारात्मक कार्य संस्कृति विकसित की जाए तथा आमजन के साथ स्वस्थ और संवेदनशील संवाद को प्राथमिकता दी जाए। जनहित सर्वोपरि, राजस्व कार्यों में लापरवाही बर्दास्त नहीं होगी। यह निर्देश आज कलेक्टर विकास मिश्रा ने राजस्व अधिकारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक में दिये।

कलेक्टर ने कहा कि राजस्व से जुड़े सभी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अपर कलेक्टर को समस्त कार्यों की लीड भूमिका सौंपते हुए प्रभावी मॉनिटरिंग और बेहतर समन्वय के निर्देश दिए, ताकि कार्यों में गति और गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि प्रत्येक मंगलवार को सभी राजस्व अधिकारी अनिवार्य रूप से अपने कार्यालय में उपस्थित रहेंगे और लंबित प्रकरणों के निराकरण सहित कार्यालयीन कार्यों पर विशेष ध्यान देंगे। राजस्व न्यायालयों में नियमित सुनवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही न्यायालय परिसरों में लाइब्रेरी स्थापित करने के निर्देश दिए गए जिससे अधिकारियों को अध्ययन एवं संदर्भ सामग्री उपलब्ध हो सके।

नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन से संबंधित प्रकरणों को समय-सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिए गए। साथ ही 31 मार्च 2025 तक निराकृत प्रकरणों का 30 जून 2026 तक अभिलेखों में अनिवार्य रूप से अमल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि कोई भी प्रकरण लंबित न रहे। आई-गॉट प्लेटफॉर्म पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण अनिवार्य किया गया है। प्रत्येक माह दो विषयों पर राजस्व अधिकारियों के प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। रीडरों एवं कम्प्यूटर ऑपरेटरों के प्रशिक्षण पर भी विशेष जोर दिया गया। सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की उपखंड अधिकारी एवं तहसीलदार द्वारा प्रतिदिन समीक्षा किए जाने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कोटवारों की आवश्यक सुविधाओं का ध्यान रखा जाए तथा उनके लिए स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाए, जिससे उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए प्रभावितों को त्वरित राहत पहुंचाने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही उपखंड अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे प्रत्येक माह अपने स्तर पर बैठक आयोजित कर कार्यों की नियमित समीक्षा करें। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि राजस्व प्रशासन को पारदर्शी, जवाबदेह और परिणाममुखी बनाना ही प्राथमिक उद्देश्य है, जिससे आमजन को त्वरित एवं प्रभावी सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

जिले की रैंकिंग में सुधार लाने दिया जोर

कलेक्टर ने कहा कि शिकायतों का त्वरित एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित कर जिले की रैंकिंग में सुधार लाया जाए। राजस्व वसूली के कार्यों में तेजी लाने, भू-अर्जन प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण करने तथा वनाधिकार पट्टों के लंबित मामलों को शीघ्र निपटाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में इनकी रही उपस्थिति

बैठक में अपर कलेक्टर बीपी पाण्डेय, उपखंड अधिकारी सिहावल राजेश शुक्ला, चुरहट विकास आनंद, गोपद बनास राकेश शुक्ला, मझौली आर .पी .त्रिपाठी, कुसमी शैलेश द्विवेदी, डिप्टी कलेक्टर प्रिया पाठक, प्रियल यादव सहित सभी तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

लू ताप एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या सीएमएचओ ने जारी किए दिशा-निर्देश

नवभारत न्यूज

सीधी 30 मार्च। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.बबीता खरे ने बढ़ते तापमान को देखते हुए लू ताप (हीट स्ट्रोक) को गंभीर स्वास्थ्य खतरा बताया और जिले भर में एहतियाती कदमों के आदेश जारी किए।

डॉ.खरे के अनुसार शरीर का तापमान नियंत्रित न हो पाने पर हीट स्ट्रोक होता है। शुरुआती लक्षणों में तेज पसीना, सिरदर्द, चक्कर, बुखार, उल्टी, मांसपेशियों में कमजोरी और लाल-गर्म त्वचा शामिल हैं। गंभीर स्थिति में मस्तिष्क क्षति, भ्रम, दौरे, कोमा, हृदय-गुर्दे की विफलता और मृत्यु भी हो सकती है। उन्होंने तत्कालिक व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए निर्देश जारी किए कि समस्त स्वास्थ केन्द्रों पर ओपीडी में बैठने की छाया-व्यवस्था और शीतल पेयजल सुनिश्चित किया जाए। जिला चिकित्सालय में 5 बिस्तर, प्रत्येक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में 2 बिस्तर लू ताप के लिए आरक्षित रखे जाए। सीएमएचओ डॉ.बबिता खरे ने सभी जनमानस से बचाव के उपाय और सावधानी बरतने के लिए अपील किया। उन्होंने कहा कि पर्याप्त पानी, नींबू पानी, फल रस लें, दोपहर की धूप से बचें, ढीले-सूती कपड़े पहनें, बच्चों-वृद्धों पर विशेष ध्यान दें। लक्षण दिखने पर ओआरएस-नारियल पानी दें और तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र ले जाएं ताकि समय पर पहचान और हाइड्रेशन से लू ताप के अधिकांश मामले रोके जा सकते हैं।

नपा सीएमओ ने वार्ड क्रमांक-4 का किया दौरा, सुनी समस्याएं

नवभारत न्यूज

सीधी 30 मार्च। नगर पालिका परिषद सीधी की मुख्य नगरपालिका अधिकारी प्रिया पाठक ने सोमवार सुबह वार्ड क्रमांक 4 के बस्ती का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बस्तीवासियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित मुद्दों पर जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया।

दौरे के दौरान बस्तीवासियों ने आवास, भूमि पट्टा, मूलभूत सुविधाओं तथा महिलाओं के रोजगार से जुड़ी समस्याएं सीएमओ के समक्ष रखीं। स्थानीय लोगों ने बताया कि लंबे समय से कई परिवार मूलभूत सुविधाओं और स्थायी आवास की समस्या से जूझ रहे हैं। इस अवसर पर वंचित शोषित सामाजिक संगठन सीधी की अध्यक्ष कु.भारती बख्शी ने बस्तीवासियों की ओर से एक ज्ञापन सीएमओ को सौंपा। ज्ञापन में गरीब और जरूरतमंद परिवारों की समस्याओं को विस्तार से रखते हुए शीघ्र समाधान की मांग की गई। बस्ती के प्रमुख नागरिकों में बाबूलाल, राममनोहर और नरेन्द्र सहित अन्य लोग भी मौके पर मौजूद रहे। सभी ने एकजुट होकर अपनी समस्याएं प्रशासन के सामने रखीं। सीएमओ ने आवेदन का अवलोकन करते हुए कहा कि संबंधित समस्याओं पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। उनके इस आश्वासन से बस्तीवासियों में उम्मीद की नई किरण जगी है।

रबी उपार्जन की तैयारियां पूरी, शुरू होगी चना एवं मसूर की समर्थन मूल्य पर खरीदी

नवभारत न्यूज

सीधी 30 मार्च। कलेक्टर विकास मिश्रा ने रबी सीजन वर्ष 2025-26 (विपणन वर्ष 2026-27) के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण उपार्जन सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक आदेश जारी किए हैं। भारत शासन द्वारा घोषित समर्थन मूल्य पर चना एवं मसूर का उपार्जन कार्य 30 मार्च से 28 मई 2026 तक किया जाएगा। जिला स्तरीय उपार्जन समिति के अनुमोदन उपरांत जिले में पांच उपार्जन केन्द्र निर्धारित किए गए हैं।

जारी आदेशानुसार तहसील गोपदबनास के लिए सेवा सहकारी समिति सीधी खुर्द, रामपुर नैकिन के लिए सेवा सहकारी समिति रामपुर नैकिन, सिहावल के लिए सेवा सहकारी समिति बमुरी, मझौली के लिए सेवा सहकारी समिति मझौली तथा चुरहट के लिए सेवा सहकारी समिति सेमरिया को उपार्जन केन्द्र बनाया गया है। उपार्जन नीति के अनुसार इस वर्ष गेंहू के साथ-साथ चना एवं मसूर के लिए भी स्लॉट बुकिंग व्यवस्था लागू रहेगी, जिससे किसानों को सुगमता से उपज बेचने का अवसर मिलेगा। उपार्जन कार्य सप्ताह में पांच दिवस सोमवार से शुक्रवार प्रात: 8 बजे से शाम 8 बजे तक संचालित किया जाएगा। कृषकों को तौल पर्ची सायं 6 बजे तक जारी की जाएगी, ताकि गुणवत्ता परीक्षण दिन के उजाले में पूर्ण किया जा सके और अंतिम तौल शाम 8 बजे तक सुनिश्चित हो। जिन किसानों की तौल निर्धारित दिनों में नहीं हो सकेगी, उनकी तौल शनिवार को की जाएगी। शनिवार एवं रविवार को उपार्जित स्कंध का परिवहन, सुरक्षित भंडारण, लेखा मिलान तथा अस्वीकृत स्कंध के अपग्रेडेशन का कार्य किया जाएगा। उपार्जन केन्द्रों पर आवश्यक मानव संसाधन, डेटा एंट्री ऑपरेटर तथा अन्य व्यवस्थाएं समय-सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

नोडल एजेंसी व विभागों को सौंपी जिम्मदारी

उपार्जन कार्य के लिए म .प्र . राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित को नोडल एजेंसी नियुक्त किया गया है। जिला विपणन अधिकारी द्वारा बारदाना, बैनर एवं अन्य व्यवस्थाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएंगी। भंडारण व्यवस्था की मॉनिटरिंग जिला प्रबंधक, म .प्र . वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक कॉर्पोरेशन द्वारा की जाएगी।

रीवा डिविजन अंडर-13 टीम में सीधी के 3 खिलाड़ियों का चयन

नवभारत न्यूज

सीधी 30 मार्च। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित होने वाले इंटर डिविजनल क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए रीवा डिविजन अंडर-13 क्रिकेट टीम का चयन किया गया है, जिसमें जिला क्रिकेट संघ (डीसीए) सीधी के 3 प्रतिभावान खिलाड़ियों ने अपनी जगह बनाई है।

चयनित खिलाड़ियों में शौर्य प्रताप सिंह, विकास मौर्य और काव्यांश शामिल हैं। विशेष रूप से शौर्य प्रताप सिंह को टीम का कप्तान घोषित किया जाना सीधी जिले के लिए गर्व की बात है। इन युवा खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन और मेहनत के दम पर यह उपलब्धि हासिल की है जिससे पूरे जिले में खुशी का माहौल है। डीसीए सीधी के पदाधिकारियों एवं क्रिकेट प्रेमियों ने सभी चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। डीसीए सीधी के पदाधिकारियों ने कहा कि यह उपलब्धि जिले में क्रिकेट प्रतिभाओं के निरंतर विकास और सही मार्गदर्शन का परिणाम है और भविष्य में भी ऐसे ही खिलाड़ी जिले का नाम रोशन करते रहेंगे।

श्रीराम कथा आयोजित : भरत का चरित्र त्याग, प्रेम और मर्यादा का है प्रतीक : पं .आकाश

नवभारत न्यूज

चुरहट 30 मार्च। कस्बे के नाथ पहाड़ स्थित हनुमान जी मंदिर में चल रहे रामकथा महोत्सव के सातवें दिन रविवार को कथा का शुभारंभ भरत चरित्र के वर्णन से किया गया। कथा व्यास राष्ट्रीय प्रवक्ता पं.आकाश जी महाराज ने भरत के आदर्श जीवन का वर्णन करते हुए भ्रातृत्व प्रेम, त्याग और मर्यादा का संदेश दिया।

कथावाचक ने कहा कि वर्तमान समय में मनुष्य अपने अधिकारों के प्रति तो जागरूक हो गया है लेकिन अपने कर्तव्यों की उपेक्षा कर रहा है। भरत का चरित्र त्याग, प्रेम और मर्यादा का प्रतीक है जो कलियुग के पापों और क्लेशों का नाश करने वाला है। उन्होंने बताया कि भरत का जीवन मोह रूपी अंधकार को दूर करने वाले सूर्य के समान तथा पाप रूपी हाथियों के लिए सिंह के समान है। कथा के दौरान जयंत प्रसंग, भगवान श्रीराम का अत्रि-अनुसूया से मिलन, विराध वध, शरभंग प्रसंग, पंचवटी निवास, शूर्पणखा प्रसंग, सीता हरण, जटायु उद्धार, शबरी के बेर तथा नवधा भक्ति का विस्तार से वर्णन किया गया। साथ ही हनुमान मिलन एवं संतों के लक्षणों की भी व्याख्या की गई। इस अवसर पर चुरहट एवं गुढ़ विधानसभा से आए जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों का कथा व्यास पं.आकाश जी महाराज द्वारा श्रीराम नाम अंकित गेरुआ दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया। जनप्रतिनिधियों ने संतों के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन रामकथा सेवा समिति अध्यक्ष द्वारा किया गया। इस दौरान क्षेत्र के सरपंच, जनप्रतिनिधिए शिक्षक, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कथा व्यास ने दैनिक जीवन के लिए आवश्यक नियमों का उल्लेख करते हुए सूर्योदय से पूर्व स्नान, हवन, नशामुक्त जीवन सहित 29 नियमों के पालन की प्रेरणा दी। राम कथा समिति के संयोजक ध्रुव सिंह बघेल राहुल ने समस्त श्रद्धालुओं, श्रोताओं एवं क्षेत्रवासियों से अपील की है कि 1 अप्रैल को सामूहिक हवन पूजन तथा 2 को भंडारा एवं प्रसाद वितरण में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर प्रसाद ग्रहण करें।

एक नजर में

जल गंगा संवर्धन अभियान, हर बूंद बचाने का संकल्प

सीधी। जल संरक्षण की दिशा में मध्यप्रदेश शासन का महत्वाकांक्षी जल गंगा संवर्धन अभियान अब जिले में तेज गति पकड़ चुका है। हर बूंद बचाने के जनसंकल्प के साथ सीधी जिला जल संरक्षण के क्षेत्र में एक सकारात्मक उदाहरण के रूप में उभर रहा है, जहां विभिन्न ग्राम पंचायतों में व्यापक स्तर पर गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। जिले के गांव-गांव में तालाबों की साफ-सफाई, जलाशयों से गाद निकासी, पौधारोपण एवं जल संरचनाओं के संरक्षण जैसे कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। इन गतिविधियों में अधिकारी-कर्मचारियों के साथ-साथ ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है। बड़ी संख्या में जनसमुदाय श्रमदान कर जल संरक्षण का संकल्प ले रहा है, जिससे यह अभियान जनआंदोलन का रूप लेता जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान का उद्देश्य केवल जल स्रोतों का संरक्षण नहीं, बल्कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखते हुए सतत विकास को मजबूत आधार प्रदान करना है। यह अभियान जिले के समग्र विकास, ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ीकरण एवं भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस वर्ष वर्षा जल के अधिकतम संचयन, भू-जल पुनर्भरण, मृदा संरक्षण एवं जल उपलब्धता में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इससे किसानों को सिंचाई सुविधा का विस्तार मिलेगा और कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी, जो सीधे तौर पर उनकी आय बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा।

सांसद के प्रयासों से कैंसर पीड़ित को मिली राहत

सीधी। सांसद डॉ .राजेश मिश्रा के प्रयासों से कैंसर से पीड़ित एक महिला को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से आर्थिक सहायता प्राप्त हुई है। सीधी जिले के ग्राम कोल्हूडीह, तहसील चुरहट निवासी श्रीमती तारावती शुक्ला पति विपिनचंद्र शुक्ला को उपचार हेतु सहायता स्वीकृत की गई है। सांसद डॉ .राजेश मिश्रा द्वारा मरीज के उपचार के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय को अनुरोध पत्र प्रेषित किया गया था। उनके सतत और सक्रिय प्रयासों के परिणामस्वरूप प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 3 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई। इस सहायता से श्रीमती तारावती शुक्ला को आवश्यक चिकित्सा उपचार एवं सुविधाएं प्राप्त करने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा। इस अवसर पर सांसद डॉ .मिश्रा ने सहायता स्वीकृत होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहल से गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों को समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध हो पाता है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों का दायित्व है कि वे जरूरतमंदों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाएं और उनके उपचार में हर संभव सहयोग करें।

तहसील सिहावल के निरीक्षण पर पहुंचे कलेक्टर, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

नवभारत न्यूज

सीधी 30 मार्च। कलेक्टर विकास मिश्रा ने तहसील सिहावल का निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं एवं राजस्व कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने तहसील कार्यालय की कार्यप्रणाली, लंबित प्रकरणों की स्थिति तथा आमजन को दी जा रही सेवाओं की विस्तृत समीक्षा की।

कलेक्टर ने नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन से संबंधित प्रकरणों की प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही अभिलेखों के अद्यतन एवं अमल की स्थिति की समीक्षा करते हुए लंबित मामलों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने राजस्व न्यायालय में चल रही सुनवाई की प्रक्रिया का अवलोकन किया तथा नियमित एवं समयबद्ध सुनवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि न्यायिक कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखना आवश्यक है। तहसील निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने वहां उपस्थित आम नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन सहित अन्य जनशिकायतों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण किया जाए, जिससे आमजन का विश्वास प्रशासन में बना रहे। निरीक्षण के दौरान उपखंड अधिकारी सिहावल राजेश शुक्ला सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता

उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता आमजन को सरल, सुगम और समय पर सेवाएं उपलब्ध कराना है। कलेक्टर ने कार्यालय में साफ-सफाई, अभिलेखों के व्यवस्थित रख-रखाव तथा कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

जनसुनवाई को अधिक प्रभावी बनाने की पहल निराकरण की सूचना अब सीधे आपके मोबाइल पर

नवभारत न्यूज

सीधी 30 मार्च। आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से जनसुनवाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं जनोन्मुख बनाया गया है। कलेक्टर द्वारा किए गए नवाचारों के माध्यम से अब जनसुनवाई को सरल, पारदर्शी और परिणाममुखी बनाने महत्वपूर्ण पहल की गई है।

नई व्यवस्था के तहत जनसुनवाई में आने वाले आवेदकों को आवेदन लिखने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरा लीगल वालेंटियर्स की सहायता ली जाएगी, जिससे अशिक्षित एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को अपनी समस्या लिखवाने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। प्राप्त सभी आवेदनों को तत्काल जन आकांक्षा पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा तथा प्रत्येक आवेदक को टोकन/पावती प्रदान किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता बनी रहेगी और आवेदन की स्थिति का आसानी से पता लगाया जा सकेगा। प्रशासन का लक्ष्य है कि 50 प्रतिशत से अधिक आवेदनों का निराकरण उसी दिन सुनिश्चित किया जाए। हितग्राही मूलक योजनाओं से संबंधित सभी विभागों की जनसुनवाई में अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित की गई है, ताकि मौके पर ही अधिक से अधिक प्रकरणों का समाधान किया जा सके। समस्याओं के निराकरण के बाद संबंधित आवेदकों को व्हाट्सएप एवं पुोन कॉल के माध्यम से सूचना प्रदान की जाएगी, जिससे उन्हें समय पर जानकारी मिल सके।

गांव-गांव पहुंचेगी प्रशासनिक व्यवस्था, कैम्प लगाकर होगी समस्याओं की सुनवाई

समय-सीमा प्रकरणों के त्वरित निराकरण पर कलेक्टर का फोकस

नवभारत न्यूज

सीधी 30 मार्च। कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित कर विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी अधिकारी समय-सीमा में प्राप्त प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को त्वरित राहत मिल सके।

कलेक्टर ने कहा कि जिले में आमजन को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए जिला मुख्यालय तक अनावश्यक रूप से न आना पड़े, इसके लिए प्रशासन को उनके निकट पहुंचकर कार्य करना होगा। इसी उद्देश्य से प्रत्येक माह दो जिला स्तरीय कैम्पों का आयोजन किया जाएगा, वहीं विकासखंड स्तर पर एसडीएम द्वारा नियमित रूप से शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में ही लोगों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। बैठक में कलेक्टर ने जिले की भौगोलिक एवं सामाजिक स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि जिला मुख्य रूप से ग्रामीण है और अधिकांश लोग कृषि आधारित गतिविधियों से जुड़े हैं।

ऐसे में अधिकारियों को किसानों और ग्रामीणों की आय बढ़ाने के लिए ठोस प्रयास करने होंगे तथा संबंधित योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया जाए ताकि शिकायतों का स्थायी समाधान हो और जिले की रैंकिंग में सुधार आए। इसके साथ ही लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत प्रदाय सेवाओं को निर्धारित समय में प्रदान करना सुनिश्चित किया जाए।

प्रत्येक आवेदन का स्थायी समाधान करें सुनिश्चित

बैठक में संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण निराकरण पर भी जोर दिया गया। कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए उसका स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर विकास मिश्रा ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ करें तथा शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करते हुए आमजन को बेहतर और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराएं।

बैठक में ये अधिकारी रहे उपस्थित

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, अपर कलेक्टर बी .पी .पाण्डेय, उपखंड अधिकारी सिहावल राजेश शुक्ला, चुरहट विकास आनंद, गोपदबनास राकेश शुक्ला, मझौली आर .पी . त्रिपाठी, कुसमी शैलेश द्विवेदी, डिप्टी कलेक्टर प्रिया पाठक, प्रियल यादव सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।